

Semester II

Pedagogy 7A/7B

MICRO - TEACHING सूक्ष्म शिक्षण

- Concept of Micro-Teaching
- Components of Micro-Teaching
- Process of Micro-Teaching
- Significance of Micro-Teaching
- Teaching skills: — Skill of Questioning.

By—

Dr. Asha Kumari Gupta

Asha Kumari Gupta

CONCEPT OF MICRO-TEACHING

सूक्ष्म शिक्षण का प्रत्यय

सूक्ष्म शिक्षण, शिक्षण का एक सरलीकृत रूप है जिसमें वास्तविक शिक्षण की जटिलताओं को कम किया जाता है। इसमें लघु रूप में शिक्षण किया जाता है। इसमें पाठ्य-सामग्री, दार्त्रों की संख्या, समय आवधि कम रखी जाती है तथा एक समय में एक ही शिक्षण-कौशल का प्रयोग किया जाता है। सूक्ष्म शिक्षण कम समय, कम दार्त्रों तथा कम शिक्षण क्रियाओं वाली तकनीक है। (B.M. Shore)। सूक्ष्म शिक्षण अध्यापक प्रशिक्षण की एक तकनीक है, इसके द्वारा छात्राध्यापकों को शिक्षण कौशल का अभ्यास कराया जाता है।

सूक्ष्म शिक्षण का विकास अमेरिका के स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय के D.W. Allen, Robert N. Bush तथा Keith Acheson ने सन् 1963 में किया। उन्होंने प्रशिक्षण तक काल शिक्षकों के व्यवहार में सुधार लाने के लिए इस विधि का प्रयोग किया। हमारे देश में 1967 में इलाहाबाद इंस्टिट्यूट के (D.D. पाण्डेय) ने पहली बार प्रयोग किया। इसके प्रथम परिचय सन् 1975 के राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (NCERT) दिल्ली, (CASE), लखनऊ तथा इंदौर विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग द्वारा इस दिशा में सामूहिक प्रयास किये गए। डा. वी.के. पासी, प्रो. एम.बी. बुच तथा प्रो. आर. दास ने सूक्ष्म शिक्षण को भारतीय परिस्थितियों के अनुरूप एवं आवश्यक सुधार किये और सूक्ष्म शिक्षण के भारतीय प्रतिमान (Indian Model of Micro-Teaching) का

ii, The number of student is limited to 5-10.
 छात्रों की संख्या 5-10 तक सीमित होती है।

iii. The duration of time is kept 5-10 minutes.
 समय की अवधि 5-10 मिनट तक रखी जाती है।

iv. A single teaching skill is practised at a time.
 एक समय में एक ही शिक्षण ^{या} कौशल का अभ्यास किया जाता है।

इन सभी परिभाषाओं के विश्लेषण से यह स्पष्ट होता है कि सूक्ष्म - शिक्षण, प्रशिक्षण की एक विश्लेषणात्मक तकनीक (Analytical technique) है। सूक्ष्म शिक्षण पाठ की समाप्ति के बाद दोग - अध्यापक को तुरन्त प्रतिक्रिया (Immediate Feedback) प्रदान की जाती है।